Ci – कफरनहूम में यीशु का मुख्यालय मत्ती ४:१३-१६ | 1

– Save This Page as a PDF–

कफरनहूम में यीशु का मुख्यालय

मत्ती ४:१३-१६

नाज़रेथ में उनकी अस्वीकृति के परिणामस्वरूप,
यीशु ने अपना मुख्यालय नाज़रेथ से पहाड़ी के नीचे कफरनहूम में बनाया। नाज़रेथ को छोड़कर, वह कफरनहूम में जाकर रहने लगा, जो जबूलून और नप्ताली के क्षेत्र में झील के किनारे था (मत्ती ४:१३)। गलील सागर (मैथ्यू ४:१५, १८, १५:२९; मरकुस १:१६, ७:३१, जो वास्तव में एक बहुत बड़ी झील थी, जिसे कभी-कभी तिबरियास (यूहन्ना ६:१ और २३) कहा जाता था।

दो शताब्दियों से भी अधिक समय से, मछली पकड़ने के व्यवसाय ने गलील सागर पर स्थित कफरनहूम के हलचल भरे शहर को चुनौती दी है, क्योंकि पत्थर के खंभों और ब्रेकवॉटर के बीच हर इंच पर नावें और जाल लगे रहते थे। कुछ घाट थे, जो यात्रियों को जल्दी और आसानी से मगडाला तक, या समुद्र के आठ मील पार गेर्गेसा तक ले जाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। लेकिन अधिकतर नावें मछली पकड़ने के लिए थीं। गेनेसेरेट झील के तट पर एक दर्जन से अधिक प्रमुख मछली पकड़ने वाले गांवों में से, जैसा कि मीठे पानी के समुद्र के रूप में भी जाना जाता है, कोई भी कैपेरनम से अधिक व्यस्त नहीं है, यहां तक कि हेरोदेस एंटिपास द्वारा निर्मित तिबरियास शहर भी नहीं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी कर रोमन कानून के अनुसार एकत्र किए गए थे, एक सौ रोमन सैनिकों की एक टुकड़ी वहां तैनात की गई थी। गलील के उत्तरी तट पर एक प्रमुख राजमार्ग पर इसने पूरे क्षेत्र में खुशखबरी फैलाने के लिए निरंतर यातायात प्रदान किया।

भविष्यवक्ता यशायाह (मत्ती ४:१४) के माध्यम से जो कहा गया था उसे पूरा करने के लिए: “जबूलून की भूमि और नप्ताली की भूमि, समुद्र का मार्ग, जॉर्डन के पार (यशायाह Cj पर मेरी टिप्पणी देखें – वह अन्यजातियों के गलील का सम्मान करेगा) .

अन्यजातियों का गलील (मैथ्यू ४:१५) एक नाम है जो उस क्षेत्र के ऐतिहासिक अनुभव को दर्शाता है, जो इज़राइल के उत्तरी राज्य की कुछ जनजातियों का क्षेत्र था। यह घृणित मूर्तिपूजा और बुतपरस्ती का क्षेत्र था, विशेषकर उत्तर में दान जनजाति में। ईसा पूर्व में अश्शूरियों ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया, इस्राएलियों को असीरिया भेज दिया या उनके साथ भूमि में

Ci – कफरनहूम में यीशु का मुख्यालय मत्ती ४:१३-१६ | 2

विवाह कर लिया। अंततः यह क्षेत्र यहूदियों, अश्शूरियों और यहूदियों का मिश्रण बन गया, जिन्होंने अश्शूरियों से विवाह किया, जिन्हें बाद में सामरी लोगों के रूप में जाना जाने लगा।

परिणामस्वरूप, गलील कई शताब्दियों तक अंधकार का देश रहा। फिर भी, एक अजीब भविष्यवाणी में, यह अन्यजातियों का गलील है (धार्मिक यरूशलेम नहीं) जहां एक महान रोशनी इतिहास के अंधेरे को भेद देगी। अन्धकार में रहने वाले लोगों ने बड़ी ज्योति देखी है; मृत्यु की छाया की भूमि में रहने वालों के लिए एक ज्योति जगी है” (मत्ती ४:१६)।

यशायाह ने अपनी पीढ़ी में जो भविष्यवाणी की थी, उसे आने वाले मेशियाक की आशा के साथ रब्बी परंपरा में कई बार पुष्टि की गई थी। ज़ोहर के रहस्यमय साहित्य में, कुछ रब्बियों ने यशायाह के इस वादे का तार्किक कारण भी देखा। रब्बियों ने सिखाया कि “मसीहा उठेगा और खुद को गलील की भूमि में प्रकट करेगा क्योंकि वह पवित्र भूमि में नष्ट होने वाला पहला स्थान होगा” (ज़ोहर २:७बी)। मैथ्यू का कहना है कि येशुआ तानाख.३८९ में बताए गए वादा किए गए मसीहा के बारे में छोटी-छोटी बातों को भी पूरा करेगा।